

PANCHANGBODH

शनि गोचर 2027

शनि का पूरा वर्ष, तिथि-दर-तिथि

शनि, राशि-दर-राशि

3 जून	♈	मेष · पहला प्रवेश
20 अक्टूबर	♓	मीन · वक्री चाल में वापसी
23 फ़रवरी 2028	♈	मेष · लंबे प्रवास के लिए

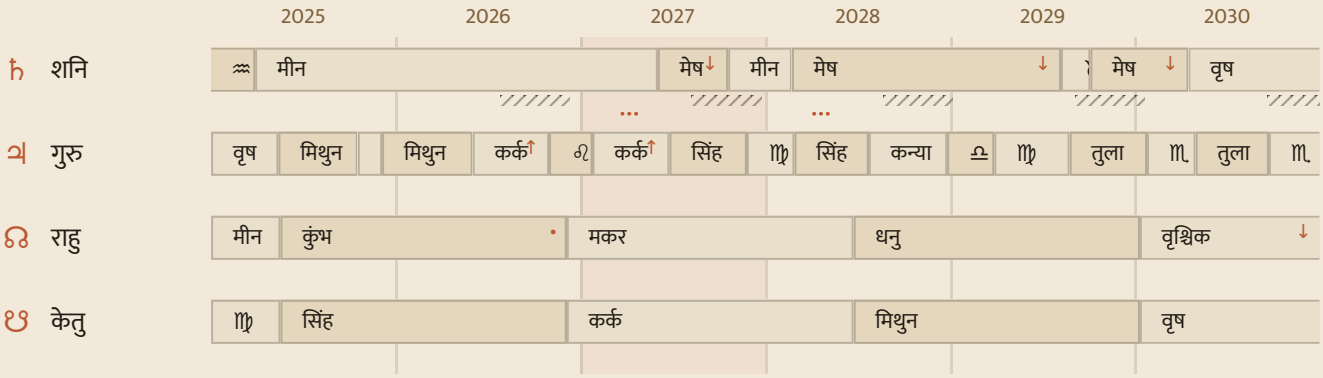
निरयण · लाहिड़ी अयनांश · भारतीय समय · नई दिल्ली

शोध पर आधारित पंचांग · हर पाठक के लिए एक ही पुस्तक

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 59 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · शनि गोचर 2027

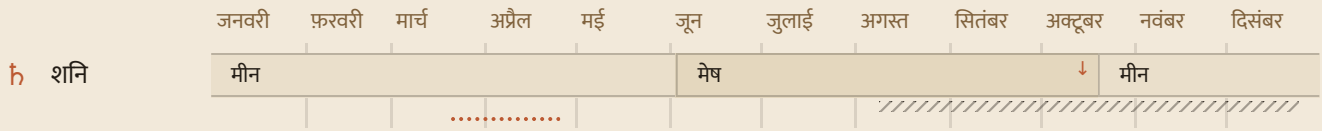
शनि की समय-सारणी

छह वर्ष, चार पंक्तियाँ · शनि, गुरु, राहु और केतु, 2025 से 2030



एक राशि में प्रवास · शनि वक्री · शनि अस्त · 2027 · ↑ उच्च · ↓ नीच · • स्वराशि

2027 एक पंक्ति में · शनि की राशि-स्थिति, वक्री और अस्त काल



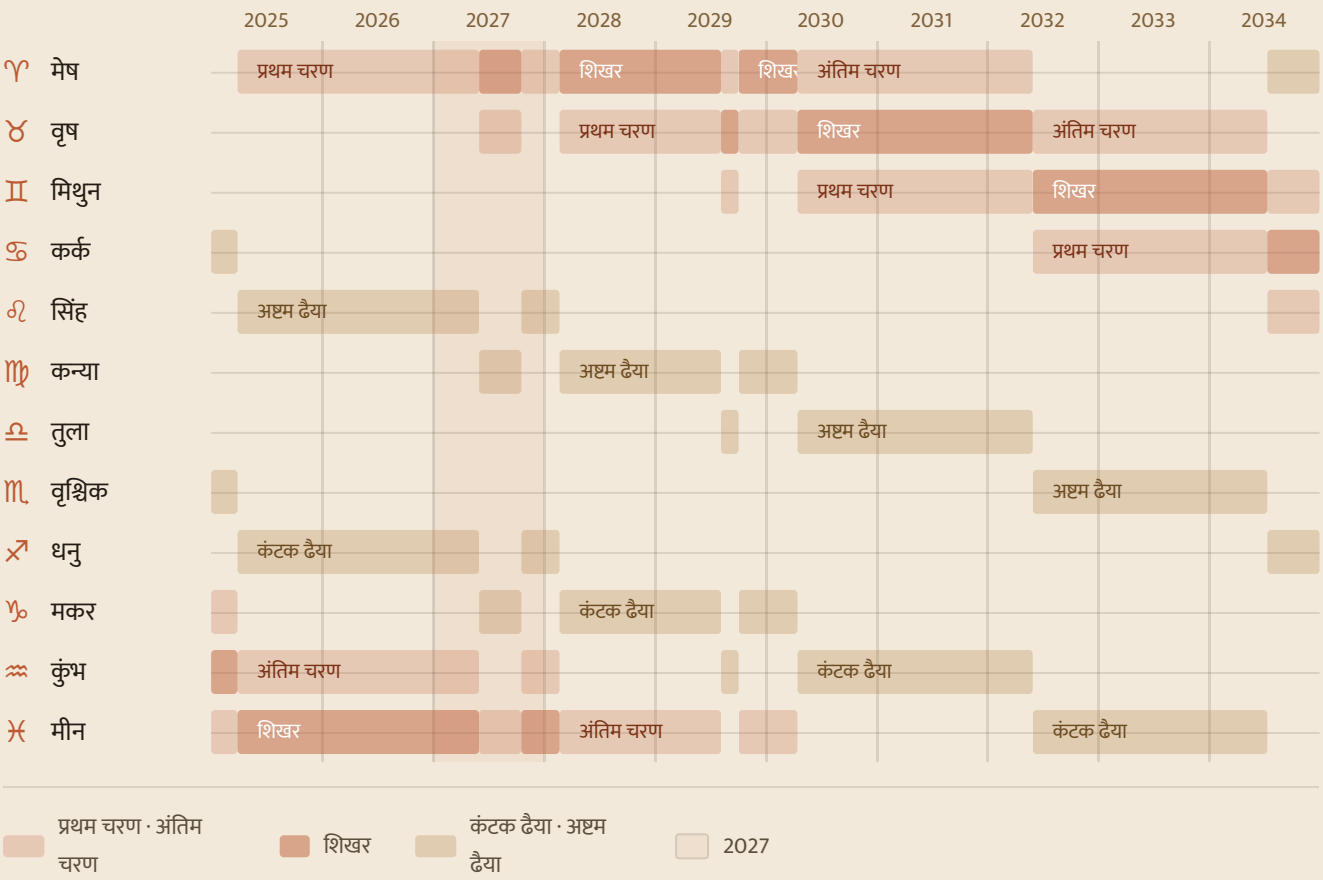
ऊपर की पंक्ति इस पुस्तक का विषय है। शनि 29 मार्च 2025 को मीन में आते हैं और 23 फ़रवरी 2028 को ही उसे पूरी तरह छोड़ते हैं; इन दोनों तिथियों के बीच 2027 का मेष-प्रवास है — नीच राशि के तीर वाली छोटी पट्टी। उसके बाद मेष की लंबी पट्टी आती है, फिर 2029 में दो महीने वृष का स्पर्श, और 17 अप्रैल 2030 से वृष में स्थायी प्रवास।

नीचे की पंक्तियाँ उन ग्रहों की हैं जिनके साथ शनि को पढ़ा जाता है। इन्हीं वर्षों में गुरु सात राशियों से गुज़रते हैं और तीन बार शनि के ठीक सामने आते हैं। राहु और केतु 5 दिसंबर 2026 से 24 जून 2028 तक मकर-कर्क धुरी पर हैं — यही वह दौर है जिसमें मेष से शनि की दशम दृष्टि राहु पर पड़ती है। शनि की पंक्ति के नीचे की हर धारीदार पट्टी एक वक्री काल है: वर्ष में एक बार, चार महीने से कुछ अधिक।

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 59 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · शनि गोचर 2027

लंबी सारणी

दस वर्षों में हर चंद्र राशि की साढ़े साती और ढैया



किसी पंक्ति को बाएँ से दाएँ पढ़ें तो एक चंद्र राशि का दशक दिखता है; ऊपर से नीचे पढ़ें तो एक वर्ष। शनि की धीमी चाल एक सीढ़ी की तरह दिखती है: हर साढ़े साती पिछली से एक राशि बाद, लगभग ढाई वर्ष के अंतर पर आरंभ होती है, और 2027 तथा 2029 के विराम पट्टी के भीतर रिक्त स्थान बनकर दिखते हैं।

छायांकित स्तंभ 2027 है। अगला पृष्ठ हर पट्टी की तिथियाँ देता है, और सारणी खुलते समय चल रही साढ़े सातियों का वास्तविक आरंभ भी।

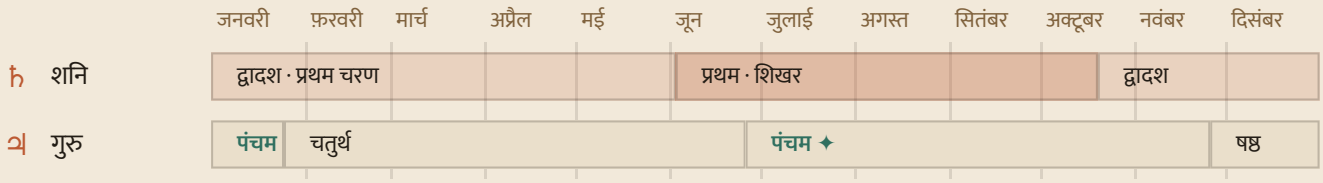
केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 59 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · शनि गोचर 2027

♈ मेष

चंद्र राशि

पूरे वर्ष साढ़े साती चलती है, और 3 जून से 20 अक्टूबर तक शनि आपकी ही राशि में रहते हैं — यह साढ़े साती का शिखर है, और मेष शनि की नीच राशि है। पंचम भाव में गुरु सहारा देते हैं — 25 जनवरी तक और फिर 26 जून से 26 नवंबर तक — और दोनों बार उनकी दृष्टि आपकी चंद्र राशि पर रहती है।

आपका 2027 · आपकी चंद्र राशि से शनि और गुरु के भाव · ✦ शुभ भाव



चंद्र राशि से शनि · शास्त्रों में फल

✦ शुभ भाव

♄ मीन में शनि 3 जून तक प्रथम चरण	12 भाव	धन · यात्रा साढ़े साती का प्रथम चरण: खर्च, यात्रा और हानि। खर्च की योजना बनाएँ; विश्राम और एकांत इस दौर के अनुकूल हैं।
♄ मेष में शनि · नीच 3 जून – 20 अक्टूबर शिखर	1 भाव	स्वास्थ्य · मन साढ़े साती का शिखर: थकान, रोग, खर्च और अपनों से दूरी। नींद, भोजन और स्वास्थ्य-जाँच नियमित रखें; नई ज़िम्मेदारियाँ कम लें।
♄ मीन में शनि 20 अक्टूबर – 23 फ़रवरी 2028 प्रथम चरण	12 भाव	धन · यात्रा साढ़े साती का प्रथम चरण: खर्च, यात्रा और हानि। खर्च की योजना बनाएँ; विश्राम और एकांत इस दौर के अनुकूल हैं।
♄ मेष में शनि · नीच 23 फ़रवरी 2028 से शिखर	1 भाव	स्वास्थ्य · मन साढ़े साती का शिखर: थकान, रोग, खर्च और अपनों से दूरी। नींद, भोजन और स्वास्थ्य-जाँच नियमित रखें; नई ज़िम्मेदारियाँ कम लें।

साढ़े साती / ढैया 2027	प्रथम चरण 1 जनवरी – 3 जून · शिखर 3 जून – 20 अक्टूबर · प्रथम चरण 20 अक्टूबर – 31 दिसंबर
2027 से आगे	साढ़े साती 29 मार्च 2025 – 31 मई 2032 · कंटक ढैया 13 जुलाई 2034 – 27 अगस्त 2036
मूर्ति	3 जून मेष · स्वर्ण · 20 अक्टूबर मीन · रजत · 23 फ़रवरी 2028 मेष · ताम्र स्वर्ण श्रेष्ठ, रजत बहुत शुभ, ताम्र मध्यम, लौह सबसे कठिन · खंड 2 देखें

आपकी अपनी कुंडली

ये फल चंद्र राशि के लिए शास्त्रों के बताए हुए हैं। इनमें से कितना आप तक पहुँचेगा, यह आपकी जन्म कुंडली — शनि का अपना बल, आपका लग्न और आपकी दशा — तय करती है। अपनी कुंडली यहाँ देखें: panchangbodh.com/hi/janam-kundali

केवल नमूना पृष्ठ · पूरी पुस्तक में 59 पृष्ठ हैं
पंचांगबोध · शनि गोचर 2027

पंचांगों से मिलान

शनि के 2027 के क्षण प्रकाशित पंचांगों के साथ — नई दिल्ली, भारतीय मानक समय, 8 नवंबर 2026 को देखे गए

घटना	दिनांक	यह पुस्तक	द्रिक पंचांग	अन्य पंचांग
शनि का मेष में प्रवेश	3 जून 2027	**05:28**	06:23	एस्ट्रोमित्र 04:43 · एस्ट्रोसेज 06:30
शनि वक्री	9 अगस्त 2027	**22:54**	—	एस्ट्रोसेज 23:35
शनि की मीन में वापसी	20 अक्टूबर 2027	**07:12**	06:05	एस्ट्रोमित्र 08:13 · एस्ट्रोसेज 06:05
शनि मार्गी	24 दिसंबर 2027	**09:04**	—	एस्ट्रोसेज 06:16

हर तिथि मेल खाती है। राशि-प्रवेशों में लगभग एक घंटे का अंतर है, और हर पंचांग का झुकाव शनि की हर पंक्ति पर एक ही दिशा में है — यह भूल नहीं, लाहिड़ी के थोड़े अलग मान का निशान है; अगला पृष्ठ इसका कारण बताता है। स्तंभनों में घंटों का अंतर है, जैसा स्तंभनों में सदा होता है।

तमिल वाक्य पंचांग, जिन्हें अनेक मंदिर मानते हैं, शनि की गणना पुरानी सारणियों से करते हैं और वही गोचर इन तिथियों से महीनों दूर रख सकते हैं। यह अंतर पद्धति का है, और अगला पृष्ठ इसका नाम लेता है।

स्रोत

ग्रह-स्थिति	सेकंड तक गणना, और नासा जेपीएल की डीई431 ग्रह-सारणी से जाँची हुई: जिस 2027 की आकाश-फ़ाइल पर यह पुस्तक टिकी है, उसके 92 राशि-प्रवेश, स्तंभन, अमावस्या और पूर्णिमा में से 89 मिनट तक मेल खाते हैं; बाकी तीन में एक मिनट का अंतर है।
अयनांश	लाहिड़ी (चित्रापक्ष), जैसा भारत की पंचांग सुधार समिति ने अपनाया।
गोचर फल	मंत्रेश्वर की फलदीपिका, अध्याय 26 (गोचर-फल)।
ग्रहों का बल	बृहत् पराशर होरा शास्त्र: उच्च, नीच और स्वराशियाँ।
नक्षत्र-फल	वराहमिहिर की बृहत् संहिता, अध्याय 10, एन. चिदंबरम अय्यर के अनुवाद (1884) में।
मूर्ति और तारा	मूर्ति निर्णय और नौ तारों की गिनती, जैसी पंचांग छापते हैं।